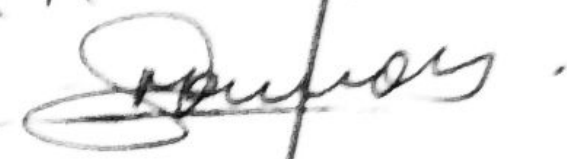


पत्रावली पेश। प्राथी व वकील प्राथी को
बार-बार आवाज लगाई गई। बार-
बार आवाज लगाने के पश्चात् भी
प्राथी व वकील प्राथी न्यायालय में
हाजिर नहीं आये। अतः प्राथी का प्राथी
पत्र अन्तर्गत धारा 212 RTI अधिनियम
हाजरी अधिनियम परैवी में खारीज किया
जाता है। पत्रावली फ़ैसल नुम्बर होकर
नम्बर से कम होकर वाखिल दफ्तर हो।


उपखण्ड अधिकारी
दादाराभगद (सीकर)